

# डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, सत्र 26, यूनाइटेड वी बिल्ड, इफिसियों 4:1-16

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को जेल पत्रों पर अपने व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे हैं। यह सत्र 26 है, यूनाइटेड वी बिल्ड, इफिसियन 4:1-16।

इफिसियन पर हमारे पिछले व्याख्यान से आपका स्वागत है।

मुझे बहुत खुशी है कि आपने हमारे साथ जुड़ना चुना और आप इस बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में हमारे साथ सीख रहे हैं। क्या आप भी मेरी तरह यह महसूस नहीं कर रहे हैं कि जितना अधिक हम परमेश्वर के वचन का अध्ययन करने में समय बिताते हैं, उतना ही हम खुद को तरोताजा महसूस करते हैं। मुझे इन व्याख्यानों के दौरान ऐसा लगता है कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूँ, वह ज्यादातर खुद से ही कहा जा रहा है।

इफिसियों में पौलुस ने जो किया, उस पर वापस आते हुए हमें हमेशा एकता की भावना के बारे में याद दिलाना चाहिए जिसे परमेश्वर अपनी कलीसिया में चाहता है और जिसकी अपेक्षा करता है। अध्याय 3 के अंत से लेकर अध्याय 4 के पहले भाग तक, मैंने आपका ध्यान स्तुतिगान की ओर आकर्षित किया और अध्याय 4 की पहली तीन आयतों के साथ निष्कर्ष निकाला। अब मैं उन आयतों को पढ़ना और 16 तक जारी रखना चाहूँगा, और फिर हम यह देखने के लिए अपना समय ले पाएँगे कि इफिसियों अध्याय 4, आयत 1 से 16 तक हमें किन मुद्दों के बारे में जानने की ज़रूरत है। इसलिए, अगर आपके पास बाइबल है, तो आप उस बाइबल को खोल सकते हैं।

मैं ईएसवी से पढ़ रहा हूँ, और आप भी इसमें शामिल हो सकते हैं - शांति के बंधन में आत्मा की एकता। एक शरीर और एक आत्मा है, ठीक वैसे ही जैसे आपको उस एक आशा के लिए बुलाया गया था जो आपके बुलावे से संबंधित है।

एक प्रभु, एक विश्वास, एक बपतिस्मा, एक परमेश्वर और सबका पिता, जो सब पर और सब के द्वारा और सब में है। परन्तु तुम में से हर एक को मसीह के वरदान के अनुसार अनुग्रह दिया गया। इसलिए, यह कहा जाता है, जब वह ऊँचे पर चढ़ा, तो उसने बन्दियों की एक सेना का नेतृत्व किया और मनुष्य को वरदान दिए।

यह कहने का क्या मतलब है कि वह ऊपर चढ़ गया? लेकिन वह नीचे के क्षेत्रों, अर्थात् पृथ्वी पर भी उतरा था। जो उतरा, वही सारे आकाश से ऊपर भी चढ़ा, कि सब कुछ परिपूर्ण करे। और उसने प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, सुसमाचार प्रचारकों, चरवाहों और शिक्षकों को दिया कि वे पवित्र लोगों को सेवकाई के काम के लिए तैयार करें, ताकि मसीह की देह का निर्माण तब तक हो जब तक कि हम विश्वास और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान की एकता प्राप्त न कर लें, और मसीह की परिपूर्णता के कद के माप तक परिपक्व मनुष्यत्व प्राप्त न कर लें, ताकि हम आगे को बच्चे न रहें

जो शिक्षा की हर बयार से उछाले और इधर- उधर घुमाए जाते हों, मनुष्य की चतुराई से, और छल की युक्तियों में धूर्तता से।

बल्कि, प्रेम में सत्य बोलते हुए, हमें हर तरह से उसमें बढ़ना है जो सिर है, मसीह में, जिसके लिए पूरा शरीर, हर जोड़ से जुड़ा हुआ और एक साथ रखा जाता है, जिसके साथ यह सुसज्जित है जब प्रत्येक भाग ठीक से काम कर रहा है, शरीर को बढ़ाता है ताकि यह खुद को प्रेम में विकसित करे। यहाँ मेरे अनाड़ी पढ़ने के लिए क्षमा करें। हमने पहले ही इफिसियों 4 के पहले तीन छंदों को देख लिया है।

तो चलिए मैं आपका ध्यान कुछ मुख्य बातों की ओर आकर्षित करना शुरू करता हूँ क्योंकि यह उससे जुड़ा है जिसके बारे में हम अभी बात करने जा रहे हैं। पौलुस पत्र के नैतिक भाग का परिचय देता है और नैतिकता के विषय में जाना शुरू करता है और चर्च को एकता बनाए रखने के लिए क्या करने की ज़रूरत है। वह स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि यह एकता आत्मा की है और इसे एकता के उस बंधन में बनाए रखा जाना चाहिए।

इनमें से कुछ तत्वों को रेखांकित करने से वह किसी तरह भ्रमित हो गया और फिर उसने उन समानताओं के बारे में बात करना शुरू कर दिया जो वे साझा करते हैं। इसलिए, उसका इरादा शायद नैतिकता को चुनना और उस पर आगे बढ़ना था, लेकिन फिर अचानक, उसे एहसास होने लगा कि अगर मैं तुम्हें सब कुछ उत्सुकता से करने के लिए कह रहा हूँ, तो उसने अभिव्यक्ति का इस्तेमाल किया, इस एकता को बनाए रखने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करो। अचानक, उसे लगा कि उसे उन्हें इस एकता के लिए कुछ आधार देना चाहिए।

और इसलिए, उन्होंने कुछ ऐसा कहना शुरू किया जो मुझे स्मृति के संदर्भ में बहुत समृद्ध करने वाला लगा। उन्होंने उन सात सामान्य बातों को रेखांकित किया जो वे साझा करते हैं और जो वास्तव में उन्हें इस एकता के आधार के रूप में प्रोत्साहित करना चाहिए। एक शरीर है।

इफिसियों की पत्री में उन्होंने पहले ही बता दिया था कि यहूदी और गैरयहूदी दोनों अब एक ही शरीर के अंग हैं। उनका कहना है कि एक ही शरीर है, यानी मसीह का शरीर। एक ही आत्मा है।

अगर आपको याद हो, तो उन सभी पर पवित्र आत्मा की मुहर लगी हुई थी। आत्मा उनमें काम कर रही है। वह प्रार्थना करता है कि वे आत्मा के द्वारा अपने भीतरी मनुष्यत्व में मजबूत हो जाएँ।

वह कहते हैं कि आत्मा एक है। वे सभी उसमें भागीदार हैं। वे सभी एक ही आशा के लिए बुलाए गए हैं।

आपको याद होगा कि वह विरासत के बारे में बात करता है और यह भी उल्लेख करता है कि वे अब वादों के हिस्सेदार बन गए हैं। उनके पास एक ही आशा है। उनके पास एक ही प्रभु है, प्रभु यीशु मसीह, जो वह माध्यम है जिसके द्वारा यहूदी और अन्यजाति एक हो गए हैं, जिन्होंने उनके एक होने के लिए क्रूस पर अंतिम कीमत चुकाई।

और एक ही आस्था है, एक ही विश्वास है, एक ही साझा आधारभूत सिद्धांत है। यीशु मसीह हमारे जैसे पापियों के लिए मरने के लिए आए थे। और जो लोग उन पर विश्वास करते हैं और उन्हें अपना प्रभु और व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मानते हैं, उन्हें मुक्ति मिलेगी और वे ईश्वर के समुदाय का हिस्सा बनेंगे।

एक बपतिस्मा। एक बपतिस्मा उन सवालों में से एक है, उन मुद्दों में से एक है जिस पर हम बाद में विचार करेंगे। इसका क्या मतलब है? क्या एक बपतिस्मा का मतलब है कि हम सभी डूबे हुए थे? या एक बपतिस्मा का मतलब कुछ और है? और एक ही परमेश्वर और सबका पिता है।

यही हम साझा करते हैं। और यह सूची में अंतिम नहीं है। वह इन सभी चीजों को सूचीबद्ध करता है और कहता है, और फिर भी एक ईश्वर भी है जो सभी का पिता है।

हम पहली छह चीजों को साझा करते हैं, और वह उन्हें एक के रूप में सूचीबद्ध करता है। वह उन सभी के सामने एक शब्द लाता है। एक यह है, एक वह है, एक वह है, एक वह है, ताकि वह एकता पर जोर दे सके।

और फिर, अंत में, वह इसे एक रिश्ते के संदर्भ में रखता है। सभी का एक पिता है। हम एक परिवार हैं।

इन सात समानताओं के आधार पर, चर्च को यह समझना चाहिए कि एकता कायम रखने के लिए हर तरह के आधार की ज़रूरत है। लेकिन एक बपतिस्मा किस बात को दर्शाता है? इस बारे में कुछ विचार हैं। एक का कहना है कि बपतिस्मा, जिसका मतलब है विसर्जन, विसर्जन के लिए आह्वान है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि हर ईसाई को डुबकी लगाकर बपतिस्मा दिया गया था। और इसलिए यह एक ऐसी बात है जो हम सभी साझा करते हैं। बपतिस्मा शब्द का अर्थ है डुबकी लगाना।

लेकिन इस शब्द का मतलब पानी में डूबना, या पानी से डूबना या पानी में डुबाया जाना नहीं है। इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है डूबना। इसलिए, क्रिया है डुबाना, डूबाना, डुबाना।

आरंभिक ईसाई धर्म में, बपतिस्मा के लिए इसी भाषा का उपयोग किया जाता है क्योंकि बपतिस्मा में यही किया जाता था: लोगों को पानी में डुबाना। लेकिन जैसा कि हम जानते हैं, नए नियम में बपतिस्मा का यही एकमात्र उपयोग नहीं था। इसलिए, जब पॉल कहते हैं कि हमारे पास एक ही बपतिस्मा है, तो विद्वान इस बात पर बहस कर रहे हैं कि वह किस बात का उल्लेख कर रहे हैं।

क्योंकि अंदाज़ा लगाइए क्या? यह प्रेस्बिटेरियन और बैपटिस्ट के बीच कोई दिलचस्प बातचीत नहीं हो सकती, है न? क्योंकि अगर हम कहते हैं कि हमारे बीच एक बात समान है, और वह है विसर्जन द्वारा बपतिस्मा, और प्रेस्बिटेरियन ने कहा, आप जानते हैं, मेरे सिर पर पानी का बर्तन

था। ओह, मेरे कैथोलिक दोस्तों के बारे में बात नहीं करना। तब हम कह रहे हैं कि हमारे बीच वह हिस्सा समान नहीं है।

क्या यहीं मुद्दा है? आज के विद्वानों में यह बात दिलचस्प हो जाती है क्योंकि प्रोटेस्टेंट विद्वान और कैथोलिक विद्वान एक साथ बहुत कुछ कर रहे हैं। हम एक साथ अध्ययन कर रहे हैं; हम एक साथ विचार साझा कर रहे हैं; हम एक साथ अपने निष्कर्षों को पढ़ रहे हैं, और हम एक साथ कई मंचों पर बातचीत कर रहे हैं। वास्तव में, कभी-कभी मैं चाहता हूँ कि हमारे चर्चों को पता चले कि हमारे विभिन्न संप्रदायों के विद्वान एक साथ इतना समय बिताते हैं।

मैं साल में शायद दो या तीन बार अपने धर्म से अलग कई संप्रदायों के लोगों के साथ मीटिंग करता हूँ। तो क्या एक बपतिस्मा का मतलब यह है कि अगर किसी ने पानी में डुबकी लगाई है या कुछ और किया है तो हमारे बीच कोई समानता नहीं है? इस बारे में सोचें। इसलिए, यहाँ विसर्जन द्वारा ईसाई बपतिस्मा पर जोर एक मुद्दा बन जाता है।

अब हम जानते हैं कि इस शब्द का अर्थ है डुबाना। लेकिन क्या होगा अगर एक बपतिस्मा का मतलब सिर्फ पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा हो? क्या इससे समस्या हल हो जाती है? या यह सबको संतुष्ट करने का एक चतुर तरीका है? आप जानते हैं, जब हम बपतिस्मा और बपतिस्मा कैसे किया जाता है, इस मुद्दे को चर्चा के मुख्य बिंदु के रूप में उठाते हैं, तो हम अक्सर कुछ बातों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। बपतिस्मा देने वाला व्यक्ति प्रेस्बिटेरियन से इस बात पर लड़ने में बहुत समय व्यतीत करेगा कि बपतिस्मा किस तरह से होना चाहिए।

वास्तव में, मैंने हाल के वर्षों में छात्रों के साथ अपने अनुभव में देखा कि जब मुझे अपने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में धर्मशास्त्र पढ़ाने का अवसर मिला, तो एक नए नियम के विद्वान के रूप में, जो नए नियम के पाठ के अलावा प्राचीन ग्रंथों में रुचि रखता है, मुझे डिडेचे जैसे पाठ पढ़ना पसंद है। और इसलिए, मैंने छात्रों का ध्यान एक प्रारंभिक चर्च दस्तावेज़ के अनुच्छेद 7 की ओर आकर्षित किया जो पहली शताब्दी के अंत में या दूसरी शताब्दी की शुरुआत में लिखा गया था। डिडेचे अनुच्छेद 7 बपतिस्मा के लिए सूत्र और बपतिस्मा कैसे किया जाना चाहिए, यह निर्धारित करता है।

पहली सदी के अंत में ही उन्हें यह निर्देश दिया गया था कि अगर पानी बहुत ठंडा है, तो आप पानी को गर्म कर सकते हैं। मुझे लगा कि यह बहुत बढ़िया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अगर बहता पानी नहीं है, तो आप इसे पूल के रूप में रख सकते हैं।

मैंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। और फिर मुझे जल्द ही एहसास हुआ कि मेरे कुछ छात्र वास्तव में ऐसे चर्चों से आते हैं जो बपतिस्मा देने वाले लोगों के बपतिस्मा के खिलाफ हैं। तो यह अच्छी खबर नहीं है।

खैर, मैं कहता हूँ, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि शुरुआती चर्च के पिता कह रहे हैं कि हम ऐसा कर सकते हैं। अगर पानी ठंडा है, तो हम जैसे अफ्रीका में पले-बढ़े लोगों की खातिर, कृपया इसे गर्म रखें। यह ठीक है।

और फिर उन्होंने यह निर्धारित किया कि यदि आस-पास पानी सीमित है, तो वे लोगों के सिर पर पानी डाल सकते हैं, जैसा कि हम प्रेस्बिटेरियन चर्च और कैथोलिक चर्च में पाते हैं। उसी अनुच्छेद 7 में पहले ही यह स्पष्ट है कि यह विसर्जन होना चाहिए। फिर, यह उन सभी अन्य तरीकों के अस्तित्व के लिए शर्तें देता है।

लेकिन एक बात जो स्पष्ट है वह यह है कि बपतिस्मा पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर होना चाहिए। यह मुझे इस प्रश्न पर ले आता है: जब हम इफिसियों 4 में एक बपतिस्मा कहते हैं, तो हम किस बारे में बात कर रहे हैं? क्या यह बपतिस्मा कैसे किया जाता है? या बपतिस्मा में इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द, चाहे हम कहें, मैं तुम्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देता हूँ। यह क्या हो रहा है? हम नहीं जानते।

और वास्तव में, हम यह दावा करने के लिए अटकलें लगा रहे होंगे कि हम जानते हैं। लेकिन कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि यहाँ बपतिस्मा को आत्मा के कार्य और मसीह के मिलन या एकता के संदर्भ के रूप में अधिक देखा जाना चाहिए क्योंकि हमारे पास नए नियम में स्पष्ट अंश हैं जहाँ पौलुस आत्मा में बपतिस्मा लेने के बारे में बात करता है, जैसे 1 कुरिन्थियों 12, 13। फिर, हमारे पास आत्मा का बपतिस्मा है, जिसे मसीह के साथ एकता के संदर्भ में रखा गया है।

मैं आपको बाद में ये अंश दिखाऊंगा। अधिक से अधिक, जो अधिक समझ में आता है वह है एक बपतिस्मा, शायद किसी प्रकार की अभिव्यक्ति हो जिसे मैं वहाँ लैटिन अभिव्यक्ति के रूप में टर्मिनस टेक्निकस के रूप में उपयोग करता हूँ, किसी प्रकार की अभिव्यक्ति जो कहती है कि हम सभी ने एक रूपांतरण प्राप्त किया, हम सभी प्रभु यीशु मसीह में एक विश्वास में आए, हम सभी एक ईसाई दीक्षा से गुजरे, या हम सभी बपतिस्मा के माध्यम से एक शुद्धिकरण अनुष्ठान से गुजरे। किस तरह का बपतिस्मा? मुझे आपके साथ ईमानदार होना चाहिए, मुझे नहीं पता।

यह संभव है कि अधिकांश आरंभिक चर्च ने डुबकी लगाकर बपतिस्मा दिया हो। लेकिन डिडेचे जैसे ग्रंथ मुझे यह भी बताते हैं कि उस समय से ही वे पहले से ही विकल्प निर्धारित कर रहे थे। एक बपतिस्मा स्पष्ट रूप से आरंभिक चर्च द्वारा समझा जाएगा।

यह उनके लिए उतना अस्पष्ट नहीं होगा जितना कि हमारे लिए है। तो, इस शब्द का क्या अर्थ है? यह बहुत ही असंभव है कि यह आत्मा के बपतिस्मा को संदर्भित करता है क्योंकि हमारे पास यहाँ वह संदर्भ नहीं है। लेकिन बपतिस्मा एकता की भावना से जुड़ा हुआ है, और यह निश्चित रूप से एक अनुष्ठान है जो प्रारंभिक चर्च का हिस्सा था और जिसे सभी सदस्य पूरा करते थे।

उदाहरण के लिए, जब 1 कुरिन्थियों 12-13 में बपतिस्मा के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है, तो यह लिखा है, क्योंकि हम सब एक ही आत्मा से एक शरीर में बपतिस्मा लिए गए, यहूदी, यूनानी, दास या स्वतंत्र, और सभी को एक ही आत्मा पिलाई गई। यदि आप उस विशेष अंश के संदर्भ के बारे में पूछते हैं, तो मैं आपको सबसे पहले बताऊंगा कि पॉल आध्यात्मिक उपहारों पर चर्चा कर रहा है। तो, आत्मा हर जगह है।

इफिसियों में इस शब्द का संदर्भ एकता की भावना और उनके बीच समानता की भावना है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यहाँ आत्मा का हिस्सा खेला जा रहा है। भले ही मेरे कुछ करिश्माई दोस्त मुझसे सहमत न हों, लेकिन मैं उनके विचारों का सम्मान करता हूँ।

मुझे नहीं लगता कि इस विशेष पाठ में यही हो रहा है। जब पॉल ने गलातियों में कहीं और इस शब्द का इस्तेमाल किया, तो उसने इसे एकता के संदर्भ में इस्तेमाल किया, जहाँ यहूदी-गैरयहूदी मुद्दे दांव पर थे, और वह वास्तव में उनके साझा हितों के बारे में बात कर रहा था। लेकिन यहाँ भी, आइए पाठ को पढ़ें।

क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में विश्वास करने से परमेश्वर की सन्तान हो, इसलिये कि तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है: अब न कोई यहूदी रहा, न यूनानी।

न कोई दास है, न कोई स्वतंत्र। न कोई नर है, न नारी, क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। और यदि तुम मसीह हो, तो प्रतिज्ञा के अनुसार अब्राहम की सन्तान भी हो।

यहाँ, हम एकता की भावना देखते हैं, लेकिन अगर आप मेरी बात से सहमत हैं, तो यहाँ बपतिस्मा शब्द का इस्तेमाल भी अस्पष्ट है। यह मसीह में विसर्जन द्वारा बपतिस्मा को संदर्भित कर सकता है। इसलिए, ये सभी अन्य संदर्भ हमें बहुत मदद नहीं करते हैं।

एक बपतिस्मा शायद ईसाई बपतिस्मा को संदर्भित करता है जिसमें धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया शामिल है। मैं यह कहने के लिए अपनी गर्दन को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हो सकता हूँ कि मुझे लगता है कि यह अधिक विसर्जन को संदर्भित कर सकता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि प्रारंभिक चर्च ने बपतिस्मा के अन्य रूपों को छोड़ दिया, जैसा कि मैंने डिडैचे लेख 7 के पाठ में उल्लेख किया है। पॉल एकता के लिए एक धार्मिक आधार प्रदान करने के लिए आगे बढ़ेगा। एकता के लिए धार्मिक आधार दिलचस्प होने जा रहा है क्योंकि यहाँ आप दो संरचनाएँ देखते हैं।

पहला भाग, जो अध्याय 4, श्लोक 7 से 10 है, इस तथ्य पर प्रकाश डालेगा कि मसीह उपहार देने वाला है। मसीह अनुग्रह देता है। और दिलचस्प बात यह है कि पौलुस ने इफिसियों में करिश्मा शब्द का प्रयोग भी नहीं किया है।

उपहार के लिए शब्द का प्रयोग 1 कुरिन्थियों और अन्यत्र किया गया है। फिर, दूसरे भाग में, वह संतों को एक बहुत ही महत्वपूर्ण धार्मिक ढांचे के रूप में सुसज्जित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो कि बाकी बातचीत का मार्गदर्शन करेगा, जहाँ वह उनसे अपने ईसाई जीवन जीने के तरीके में कुछ विशिष्ट नैतिक मुद्दों को गंभीरता से लेने के लिए कहेगा। तो, आइए यहाँ एक बुनियादी संरचना लेते हैं।

पद 7 से 16 तक, पौलुस इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करता है कि समुदाय के प्रत्येक सदस्य को अनुग्रह दिया जाता है। और अनुग्रह प्रभु द्वारा दिया जाता है। इस प्रभु ने विविध उपहार दिए।

उसने सभी को एक जैसे उपहार नहीं दिए। और उपहार संतों को सुसज्जित करने के लिए दिए गए थे। अब, यहाँ इनमें से कुछ अंशों को देखना बहुत दिलचस्प है क्योंकि उनमें से कुछ हमारे लिए बहुत सारी समस्याएँ पैदा करते हैं।

तो, मुझे माफ़ करें, मैंने कुछ मिनट पहले ही इस अंश को पढ़ा है, लेकिन मुझे माफ़ करें, मुझे इस अंश के कुछ हिस्सों को पढ़ने दें जो कुछ गंभीर रूप से देखने लायक हैं। उदाहरण के लिए, श्लोक 7 से, लेकिन मसीह के उपहार के अनुसार हर एक को अनुग्रह दिया गया। इसलिए, यह कहता है कि जब वह ऊपर चढ़ा, तो उसने बंदियों की एक सेना का नेतृत्व किया और लोगों को उपहार दिए।

और मुझे यह सवाल पूछना है कि जब उन्होंने कहा कि वे ऊपर चढ़े, तो इसका क्या मतलब है? लेकिन यह कि वे नीचे भी उतरे थे। लेकिन आइए श्लोक 8 पर ध्यान दें। जब वे ऊपर चढ़े, तो उन्होंने बहुत से बंदियों का नेतृत्व किया, बहुत से बंदियों का, और लोगों को उपहार दिए। वह विशेष पंक्ति, जो भजन संहिता में से एक से उद्धरण लगती है, ने वास्तव में विद्वानों को बात करने के लिए बहुत कुछ दिया है।

तो चलिए मैं आपको कुछ उदाहरण दिखाता हूँ, और मैं इसे समझाने के तरीके में जितना संभव हो उतना सीधा और सरल होने की कोशिश करूँगा। भजन 68, 18 में, जिसके बारे में विद्वानों का मानना है कि यह उद्धरण यहीं से आया है, इसमें लिखा है, तू ऊँचे स्थान पर चढ़ा, और अपने साथ बन्दियों की एक सेना को ले गया, और मनुष्यों के बीच, यहाँ तक कि विद्रोहियों के बीच भी उपहार प्राप्त किए, ताकि प्रभु परमेश्वर वहाँ वास करे। यदि आप इफिसियों के परीक्षण से तुलना करें, तो इफिसियों के परीक्षण में लिखा है, जब वह ऊँचे स्थान पर चढ़ा, तो उसने बन्दियों की एक सेना को ले गया, और मनुष्यों को उपहार दिए।

यह कहना कि वह ऊपर चढ़ा, इसका क्या मतलब है? लेकिन यह कि वह निचले क्षेत्रों, पृथ्वी पर भी उतरा था। वह जो उतरा, वह वही है जो सभी स्वर्गों से बहुत ऊपर चढ़ा, ताकि वह सभी चीजों को भर सके। यदि आप इस परीक्षण को देखें, तो विद्वान वास्तव में समानताओं और अंतरों को एक साथ जोड़ने की कोशिश में बहुत समय बिताते हैं।

इसलिए, यदि आप इस व्याख्यान को ऑडियो के बजाय वीडियो पर सुन रहे हैं, तो मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ कि आप एक मिनट के लिए मेरे द्वारा प्रस्तुत की गई छवि को देखें और कुछ समानताओं और अंतरों पर ध्यान दें। आप ऊँचे स्थान पर पहुँच गए हैं। इस पर ध्यान दें।

जब वह ऊँचे स्थान पर चढ़ा, तो ध्यान दें। और मनुष्यों से उपहार प्राप्त करना।

भजन 68. इफिसियों की परीक्षा पर ध्यान दें। उसने मनुष्यों को उपहार दिए।

तो, क्या हो रहा है? तो क्या हो रहा है? अगर आप उन पर ध्यान से नज़र डालें, जो ऑडियो पर इस श्रृंखला का अनुसरण कर रहे हैं, तो आप देखेंगे कि अगर पॉल इस भजन से आगे बढ़ रहा है, तो वह भजन में दूसरे व्यक्ति आप से विषय को इफिसियों में तीसरे व्यक्ति वह में बदल देता है। भजन में, हम पाते हैं कि वह एकवचन में मानवता का संदर्भ देता है, और इफिसियों में, एंथ्रोपोस

शब्द का उपयोग मनुष्यों के लिए बहुवचन में किया जाता है। आप यह भी महसूस करते हैं कि भजन में, उसने उपहार प्राप्त करने के बारे में बात की, और इफिसियों में, उसने उपहार दिए।

तो हाँ, अगर आप कुछ टिप्पणियाँ उठाएँ, तो आपको वास्तव में इस पर बहुत चर्चा देखने को मिलेगी। कुछ लोगों ने पूछा है, यह एक यहूदी परीक्षण है। और इसलिए, अगर पॉल ने भजनों से उद्धरण दिया या उन्हें किसी तरह से फिर से लिखा, तो गैर-यहूदी पाठकों को यह कैसे समझ में आएगा? मैं इसे इस तरह से देखता हूँ।

इन शब्दों में सोचना ठीक है, लेकिन आप यह भी जानना चाहेंगे कि पॉल के लिए, यह काम करने के लिए एक अच्छा ढांचा हो सकता है। क्या यह वैसा ही है जैसा उसके पाठक इसे ग्रहण करेंगे, क्योंकि वही ढांचा पाठकों से संवाद भी कर सकता है या उन चीजों का संकेत दे सकता है जिन्हें वे समझ सकते हैं। मेरी आदत है, हालांकि मुझे लगता है कि मैं एक युवा व्यक्ति हूँ। मैं कभी-कभी अपने उपदेश में, उपदेश के बीच में रुककर आम भजनों या आम समकालीन गीतों की कुछ पंक्तियों का उल्लेख करने की आदत में हूँ।

यह जानते हुए कि वे लोगों से परिचित हैं, वे विश्वास या तत्व की कुछ भावना को जागृत करते हैं। और अगर पॉल ऐसा कर रहा है, तो वह जो कर रहा है उसे आकार देने के लिए ऐसा कर रहा है। इसे देखने का दूसरा तरीका रब्बीनिक परीक्षणों में है, और हमारे पास वास्तव में एक ऐसी स्थिति है जहाँ इस भजन की व्याख्या और विभिन्न संदर्भों के लिए पुनर्व्याख्या की जाती है।

और जिस तरह से रब्बी व्याख्यात्मक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, वह आज हमारे द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली व्याख्यात्मक तरीकों से थोड़ा अलग है। इसलिए वे परीक्षण के साथ काम करके ऐसे अर्थ व्यक्त कर सकते हैं जो इफिसियों में चल रही बातों के करीब हैं। कुछ लोगों ने इस परीक्षण की व्याख्या मूसा के व्यवस्था लेने के लिए पहाड़ों पर चढ़ने और व्यवस्था को लोगों तक वापस लाने के लिए उतरने के संदर्भ में भी की है।

जैसा कि हम कुछ यहूदी परीक्षणों में जानते हैं, कुछ रब्बियों ने वास्तव में इस तरह के परीक्षण के साथ काम किया है। इफिसियन पाठकों के लिए यह और क्या हो सकता है? यदि इफिसियन पाठक उस भजन के बारे में कुछ नहीं जानते हैं, तो हमारा मानना है कि इस परीक्षण के साथ जो कुछ हो रहा है, उससे कुछ प्रतिध्वनि भी हो सकती है। इससे पॉल जो कह रहा है वह एशिया माइनर प्रतियोगिता के लिए एकदम सही होगा।

इसलिए, पॉल इसका इस्तेमाल यहाँ दोहरी तलवार के तत्व को लाने के लिए कर सकता है। यहाँ आपको जो चीज़ें मिलेंगी उनमें से एक यह है कि वह मसीह को एक विजयी राजा के रूप में चित्रित करता है, जैसे कि वह दुश्मन के शिविर में जाता है, उन्हें जीतता है, लूटता है, बहुत कुछ करता है, और वहाँ से अपने उपहारों को निकालता है। अगर पॉल भजन 68 की पुनर्व्याख्या करता, तो यह पहली सदी के लेखक से हमारी अपेक्षा से बहुत अलग नहीं होता।

लेकिन यह भी संभव है कि भजन केवल उसके दिमाग में हो और वह अपने स्वयं के ढांचे के माध्यम से काम कर रहा हो। मैं ये सब बातें कह रहा हूँ, और आपको समझाने के लिए इन सब पर बहुत सारे पृष्ठ खर्च किए गए हैं क्योंकि आपको यह समझने की ज़रूरत है कि कुछ बाइबलों



में वे दो या तीन पंक्तियाँ आपकी बाइबल में उद्धरण के रूप में क्यों इंडेंट की गई हैं। उन्हें इंडेंट किया गया है क्योंकि अनुवादकों को लगता है कि यह भजन 68 का उद्धरण हो सकता है जिसे उस विशेष प्रतियोगिता में फिर से तैयार किया जा रहा है।

आप जानना चाहते हैं कि यह उद्धरण सटीक नहीं है, लेकिन यह संभव है कि पॉल इससे परिचित हो। यह हमें अगले प्रश्न पर ले आता है। दुनिया के निचले हिस्सों का क्या मतलब है? वह जो ऊपर चढ़ा, उतरा, और पृथ्वी के निचले हिस्सों में गया, इसका क्या मतलब है? खैर, कई दृष्टिकोण हैं।

प्रारंभिक चर्च के पिताओं से प्राप्त एक दृष्टिकोण के अनुसार यह अधोलोक को संदर्भित करता है। यीशु अधोलोक में गए और दुष्ट शक्तियों पर विजय प्राप्त की। वे अधोलोक में गए, बंदी बनाए गए, विजयी राजा के रूप में उभरे, और अपने लोगों को उपहार दिए।

दूसरा दृष्टिकोण इसे मसीह के अवतार और मृत्यु के संदर्भ के रूप में पढ़ता है। इस दृष्टिकोण में, यह कहा गया है कि अवतरण वास्तव में मसीह के हमारे संसार में उतरने को संदर्भित करता है। हालाँकि, इस दृष्टिकोण के साथ एकमात्र समस्या यह है कि जो उतरा है, वही ऊपर भी चढ़ा है, और जब आप देखते हैं कि यह कैसे घूमता है, तो यह अवतार को उल्टा कर देता है।

यह अवतार और स्वर्गारोहण को लगभग बाहर की ओर मोड़ देता है। लेकिन क्या यह एक संभावित संकेत है? कुछ विद्वान इसके लिए तर्क देते हैं। अन्य लोग वास्तव में तर्क देते हैं कि यह पेंटेकोस्ट के दिन पवित्र आत्मा के आगमन को संदर्भित करता है।

वह नीचे उतरा, और जो स्वर्गारोहण के दिन ऊपर चढ़ा, वह नीचे उतरा, और वह पेंटेकोस्ट के दिन उपहार देने के लिए नीचे उतरा। आप जानते हैं, करिश्माई और पेंटेकोस्टल दोस्तों से, हम बस हल्ले लुयाह कहते हैं, उसके लिए भगवान की स्तुति करें।

पेंटेकोस्ट के महत्व को कम नहीं आंकना चाहिए। हमें बस इतना ध्यान रखना है कि हम ऐसी चीजें न पाएं जो वहां नहीं हैं, क्योंकि ऐसा लगता है कि यह हमें उन चीजों की पुष्टि करने के लिए प्रेरित करता है जिन पर हम विश्वास करते हैं। यह एक जटिल बात है जिस पर विद्वान बहुत समय चर्चा करते हैं।

दरअसल, कल रात, मैं अपने एक सहकर्मी की कही बात को फिर से पढ़ रहा था, और मैंने देखा कि जब मैंने पहली बार किताब पढ़ी थी, तो मैंने उसमें कुछ बातों को रेखांकित किया था और कुछ अन्य बातों को मैं इस बार देख रहा हूँ, और मैं खुद से पूछ रहा हूँ कि यह इतना जटिल क्यों है? क्योंकि हम समझना चाहते हैं कि इतना कठिन क्या है। लेकिन सामान्य लक्ष्य क्या है? सामान्य लक्ष्य विजयी मसीह को चित्रित करना है। सर्वशक्तिमान मसीह।

अपने उपहारों को उन लोगों तक पहुंचाना जिन्हें बुरी ताकतें छू नहीं सकतीं। उस व्यक्ति की कल्पना जिसने राजतंत्रों और शक्तियों पर विजय प्राप्त की है और अपने सर्वोच्च शासन और उन्हें उनके स्थान पर रखने की अपनी क्षमता का प्रयोग किया है, उपहार देकर ताकि जब वह उपहार देता है, तो वह उन लोगों को सौंपता है जिन्हें वह उपहार देता है ताकि वे उपहारों और अनुग्रह से बिना किसी बाधा के कार्य कर सकें जो उसने उन्हें दिया है। अब अगर पॉल भजन 68 को ठीक से

फिर से लिख रहा है, तो एचआर मेनल में जो कुछ भी वह कह रहा है, उसके साथ प्रतिध्वनि भी होगी क्योंकि एचआर मेनल में जहां ये पाठक होंगे, हम जानते हैं कि कुछ एपिकन देवताओं में अंडरवर्ल्ड, अंडरवर्ल्ड का भूत और अंडरवर्ल्ड का शक्तिशाली भूत है और कैसे कभी-कभी अंडरवर्ल्ड के भूत से डर लगता है क्योंकि जब उनके भक्त अच्छे होते हैं और उन्हें सही बलिदान देते हैं और सही मदद के लिए आते हैं तो वे अच्छाई या नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखते हैं।

क्या पॉल, जो जागरूक है और दो से तीन साल के बीच इफिसस में रहा है, वास्तव में सोच रहा है कि वह ऐसी कल्पना प्रस्तुत कर सकता है जिससे उसके पाठक समझेंगे कि मसीह ने सभी शक्तियों, प्रधानताओं और शक्तियों पर विजय प्राप्त कर ली है, यहाँ तक कि अधोलोक में भी वे शामिल हैं और वह ऊपर उठ गया है और अब उसने अपने लोगों को उपहार दिए हैं और उसके लोग यह जानते हुए भी उपहारों का उपयोग कर सकते हैं कि वे शक्तियाँ उनके सामने खड़ी नहीं हो सकतीं। क्या यही हो रहा है? निश्चित रूप से, मैंने इस विषय पर हाल के दो या तीन टिप्पणीकारों को इसी तरह सोचते हुए पाया है, और मुझे स्वीकार करना चाहिए कि मेरे हाल के लेखन में, मैं भी इसी ओर झुका हूँ। इस दृष्टिकोण को रखने वालों में प्रमुख हैं क्लिंट अर्नोल्ड, जो लिखते हैं कि पृथ्वी के निचले हिस्से प्रत्येक प्रथम-शताब्दी के धार्मिक संदर्भ में सबसे अधिक अर्थ रखते हैं यदि उन्हें दुनिया या अधोलोक की अभिव्यक्ति के रूप में व्याख्या किया जाए।

इफिसस और पश्चिमी एशिया माइनर में अंडरवर्ल्ड विषय प्रमुख हैं, जहाँ कई तरह के अंडरवर्ल्ड देवताओं की पूजा की जाती थी। सबसे प्रमुख हेकेट की देवी थी, जो जादू-टोना और जादू-टोने की देवी थी। इसलिए, पॉल शायद कह रहा हो, वास्तव में, वह वहाँ गया, उसने उन्हें बंदी बना लिया, और उसके आधार पर, अब वह अपने लोगों को उपहार दे सकता है।

और इसलिए, वह उपहार देता था, और वह विशिष्ट उपहारों का नाम बताता था। उसने कुछ लोगों को प्रेरित बनाया। उसने कुछ लोगों को भविष्यद्वक्ता बनाया।

उसने कुछ लोगों को प्रचारक बनने के लिए दिया। उसने कुछ लोगों को पादरी और शिक्षक बनने के लिए दिया। इन शब्दों का क्या मतलब है? हमें यह जानने की ज़रूरत है कि इनका क्या मतलब है।

तो, आइए प्रेरितों पर नज़र डालें। प्रेरित की उपाधि का उल्लेख विशेष रूप से इफिसियों में पाया जाता है, जो चर्च की नींव से जुड़ा हुआ है। चर्च की नींव में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका थी।

इफिसियों के अध्याय 3, पद 5 में उन्हें पवित्र प्रेरितों के रूप में भी योग्य ठहराया गया है। हम जानते हैं कि यीशु के शिष्यों को प्रेरितों के रूप में संदर्भित किया जाता है। पौलुस खुद को एक प्रेरित मानता है, लेकिन वह उन सभी में सबसे छोटा होने के योग्य है।

तो, यहाँ प्रेरितों का मतलब पौलुस जैसे लोगों से हो सकता है, जैसे यीशु के शुरुआती शिष्य, जो शुरुआती चर्च के निर्माण में आधारभूत थे। तब पौलुस कह रहा होगा कि परमेश्वर ने प्रेरित होने के लिए उनमें से कुछ उपहार दिए, इस तथ्य का उल्लेख नहीं करना चाहिए कि शब्द उन लोगों को भी हो सकता है जिन्हें भेजा जाता है।

लेकिन सबसे अधिक संभावना है कि वह उन विशिष्ट लोगों की ओर झुकता है जिन्हें आरंभिक चर्च में संस्थापक नेताओं के रूप में उस क्षमता में काम करने के लिए यह अनुग्रह दिया गया है। भविष्यवक्ताओं के लिए, यह यहाँ पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं को संदर्भित नहीं करता है, बल्कि पौलुस के अपने समय के भविष्यवक्ताओं को संदर्भित करता है। ऐसे लोग जिन्हें बोलने के लिए आत्मा द्वारा प्रेरित किया जाता है।

आत्मा आमतौर पर चर्च के निर्माण के लिए इन लोगों को कुछ रहस्य बताती है। मुझे निर्माण पर जोर देना चाहिए क्योंकि हम यहाँ उपहारों के बारे में बात कर रहे हैं। पॉल यहाँ अपने भविष्यवक्ताओं को संदर्भित करने के लिए भविष्यवक्ता शब्द का उपयोग नहीं कर रहा है।

यहाँ पैगंबर शब्द का मतलब समकालीन ईसाई धर्म में जो मैं पाता हूँ, उससे नहीं है, चाहे हम पश्चिमी अफ्रीका में हों, या पूर्वी अफ्रीका में, या लैटिन अमेरिका के किसी हिस्से में, जहाँ कोई कहता है कि मैं एक पैगंबर हूँ। और तुम, युवा महिला, मैं तुम्हारे अंडरवियर का रंग जानता हूँ। किस लिए? किस लिए? इसका क्या मतलब है? भगवान तुम्हें किसी के अंडरवियर का रंग क्यों बता रहे हैं? यहाँ पैगंबरों को चर्च को बढ़ाने और बनाने के लिए यह दिव्य प्रेरित ज्ञान दिया जाता है।

कभी-कभी, उनके संदेश में पूर्वानुमानित विशेषताएँ हो सकती हैं, लेकिन अधिकतर, उन्हें संदेश को ईश्वरीय कथन के रूप में देने के लिए दिया जाता है। सुसमाचार प्रचारक विशेष लोग होते हैं जो सुसमाचार का प्रचार करने के लिए जगह-जगह जाने के लिए सुसज्जित होते हैं। शाब्दिक रूप से, यह शब्द उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो अच्छी खबर लाता है।

और नए नियम में, हमारे पास वास्तव में केवल दो अन्य स्थान हैं जहाँ इस शब्द का उपयोग किया गया है। प्रेरितों के काम में, फिलिप और उसकी बेटियों का जिक्र करते हुए, और 2 तीमुथियुस में, जहाँ तीमुथियुस को पॉल द्वारा एक प्रचारक का काम करने के लिए कहा जाता है, मुझे कहना चाहिए कि मेरे कुछ सहकर्मियों को लगता है कि पॉल ने ऐसा नहीं लिखा था। इस उपहार की सूची में हमारे लिए सबसे कठिन बात पादरी और शिक्षकों का संदर्भ है।

क्योंकि जैसा कि आप अपने अंग्रेजी अनुवाद में पाते हैं, वे शब्द सजातीय संयोजक अंत से जुड़े हुए हैं। लेकिन ग्रीक में, यह उससे भी ज़्यादा मुश्किल है। यह एक ही लेख साझा करता है।

और इसलिए, दूसरे भाग, शिक्षक के भाग में कोई लेख नहीं है, जबकि सभी पूर्ववर्ती उपहारों में लेख हैं। तो, सवाल उठाया गया है: क्या यह एक व्यक्ति है? क्या दो उपहार हैं? या पादरी को शिक्षक माना जाता है? क्या होगा अगर कोई शिक्षक है और पादरी नहीं है? क्या उनके पास यहाँ वर्णित कोई उपहार है? क्या हो रहा है? खैर, हम यह देखने की कोशिश करेंगे कि यह क्या है। जैसा कि मैंने कुछ मिनट पहले उल्लेख किया था, दोनों एक लेख साझा करते हैं, और यह संयोजन अंत से जुड़ा हुआ है।

कुछ टिप्पणीकारों ने तर्क दिया है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले तीन उपहार यात्रा करने वाले ईसाई कार्यकर्ताओं को संदर्भित करते हैं। प्रेरित, भविष्यवक्ता और प्रचारक स्थिर नहीं हैं। वे

शायद बहुत घूमते हैं, और शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि पादरी और शिक्षक अधिक स्थिर होते हैं।

यही कारण है कि उन्हें एक लेख के साथ परिभाषित किया जाता है जो संयोजन अंत द्वारा एक साथ जुड़ा हुआ है जैसे कि यह एक चीज लगती है। तो, इस अर्थ में, अंतर यह है कि कौन से उपहार किसी को स्थिर बनाते हैं और कौन से उपहार किसी को घुमंतू वक्ता या कार्यकर्ता बनाते हैं। खैर, कुछ लोगों ने यह भी तर्क दिया है कि ये दो उपहारों वाले एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं।

इसीलिए चर्चा का यह विशेष भाग थोड़ा जटिल हो जाता है। इसलिए मैं आपका ध्यान यहाँ कुछ बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पादरी या अनुवादित शब्द पादरी वस्तुतः चरवाहा शब्द है।

चरवाहा शब्द उस समय की शब्दावली में नया शब्द नहीं है। हम जानते हैं कि चरवाहे का इस्तेमाल प्राचीन निकट पूर्व में धार्मिक नेताओं के लिए एक रूपक के रूप में किया जाता था। अगर समय मिले तो मैं आपको कुछ उदाहरण दूंगा। उदाहरण के लिए, कुछ ओटी परीक्षणों में भगवान को एक चरवाहे के रूप में भी चित्रित किया गया है, जो उनके बीच एक पसंदीदा है।

जिसे तुम अच्छी तरह जानते हो, वह प्रभु ही मेरा चरवाहा है। मुझे कुछ नहीं चाहिए। मुझे यह भी अच्छा लगता है।

1 पतरस 5 में चरवाही या पादरी का काम वास्तव में प्राचीनों के उल्लेख के साथ जुड़ा हुआ है। इसलिए, अगर मैं आपको सबसे पुराना संदर्भ बताऊँ, तो आपको याद होगा कि भजन में, प्रभु मेरा चरवाहा है। मुझे कुछ नहीं चाहिए।

चरवाहे की विशेषता यह है कि वह भेड़ों का मार्गदर्शन करता है। वह भेड़ों को लिटाता है। और वह उन्हें शांत जल के पास ले जाता है, उन्हें सही स्थानों पर भेजता है।

वह वही है जो उनकी आत्मा को पुनर्स्थापित करता है और उन्हें सही मार्ग पर ले जाता है। यशायाह 40, पद 11 में, चरवाहा झुंड को खिलाता है। उसने हमें मेमने को अपनी बाहों में कोमलता से उठाया और उसे अपनी गोद में ले लिया।

वह उन्हें धीरे से ऐसे ले जाता है जैसे एक माँ अपनी भेड़ों को ले जाती है। इसलिए, पादरी या चरवाहों के बारे में बात करना, शिक्षक के काम से दूर-दूर तक अलग नहीं है। अगर आप एक धार्मिक नेता के रूपक के बारे में सोचते हैं जो उन्हें परमेश्वर के वचन से भरता है, तो इसमें कुछ निर्देश शामिल हो सकते हैं।

इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि ये दो वरदान नहीं हैं। वास्तव में, मैं यह सोचने के लिए अधिक इच्छुक हूँ कि कुछ व्यक्तियों में पादरी और शिक्षक होने के वरदान हो सकते हैं। लेकिन ऐसे भी लोग हो सकते हैं जो पादरी तो हैं लेकिन अच्छे शिक्षक नहीं हैं।

और कुछ शिक्षक ऐसे भी हैं जो पादरी नहीं हो सकते। जो पादरी अच्छे शिक्षक नहीं हैं। मैं उन्हें वरिष्ठ पादरी बनने की पुरजोर सलाह नहीं दूंगा।

लेकिन अगर आप इस शिक्षा का पालन करने वाले चर्च के नेता हैं, तो इस पर अपना मन बना लें। मैं बस यही अंतर बताना चाहता हूँ। इस विशेष अंश का दूसरा भाग जो उपहारों के बारे में बात करता है, वह चुनौती है जिसका सामना हमें पद 12 को समझने की कोशिश में करना पड़ता है।

उसने कुछ प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, सुसमाचार प्रचारकों, चरवाहों और शिक्षकों को मसीह के शरीर के निर्माण के लिए सेवकाई के कार्य के लिए संतों को सुसज्जित करने के लिए दिया, जब तक कि हम सभी मसीह की पूर्णता के कद के माप तक परिपक्व पुरुषत्व के लिए परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान में विश्वास की एकता प्राप्त नहीं कर लेते। उपहार क्या होने चाहिए? दो गंभीर विचार हैं, मुझे कहना चाहिए कि जिस तरह से हम इसे समझते हैं, उसमें महत्वपूर्ण विचार हैं। एक दृष्टिकोण यह मानता है या उस बिंदु से आता है जिसे हम सभी विश्वासियों का पुजारी कहते हैं, जो यह है कि सभी व्यक्तियों को चर्च का निर्माण करने के लिए उपहार दिए जाते हैं।

इस अर्थ में, इफिसियों अध्याय 4, पद 12 में लिखा है कि संतों को सुसज्जित किया जा रहा है, और वे ही मसीह के शरीर का निर्माण करने के लिए सेवा के कार्यों के लिए सुसज्जित किए जा रहे हैं। अंग्रेजी में अनुवादित शब्द का शाब्दिक अर्थ है निर्माण करने के लिए एक वास्तुशिल्प भाषा। तो, इस अर्थ में, संत सुसज्जित हैं, और वे सेवा के कार्यों के लिए सुसज्जित हैं।

जो लोग सभी विश्वासियों के पुरोहितत्व में विश्वास करते हैं, वे जानबूझकर या अनजाने में सीधे इस दृष्टिकोण की ओर झुकते हैं। अन्य लोग ऐसा नहीं मानते। वास्तव में, अन्य लोग मानते हैं कि यह वे लोग हैं जिन्हें वह उपहार दिया गया है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था।

प्रेरित, भविष्यद्वक्ता, प्रचारक, पादरी और शिक्षक वे लोग हैं जो संतों को सुसज्जित करने वाले हैं। क्या आप समझ रहे हैं कि वे ऐसा कैसे करते हैं? वे जो कह रहे हैं वह यह है। नेता प्रतिभाशाली हैं, और यह नेता ही हैं जो ऐसा करते हैं।

मैं आपको लगभग बता सकता हूँ कि आप कैथोलिक विद्वानों को उस दिशा में भारी झुकाव पाते हैं क्योंकि यह उनके चर्च की संरचना में फिट बैठता है, जो चर्च के नेतृत्व को उन लोगों के पास अधिक बनाता है जिन्हें बाकी संतों को सुसज्जित करने के लिए दिव्य रूप से सक्षम किया गया है। मैं आपको एक आरेख देता हूँ जो वास्तव में इसे चित्रित कर सकता है। तो, उस अर्थ में, नेता प्रतिभाशाली लोग हैं, और इसलिए ये प्रतिभाशाली लोग वास्तव में संतों को सुसज्जित करते हैं।

उन्हें सेवा के कार्यों और मसीह के शरीर के निर्माण के लिए उपहार दिया जाता है। यह विशेष दृष्टिकोण आम लोगों और पादरी के बीच स्पष्ट अंतर करता है। पादरी वे लोग हैं जिनके पास प्रेरित, भविष्यद्वक्ता, सुसमाचार प्रचारक, पादरी और शिक्षक होने का उपहार है।

आम लोग वे हैं जिन्हें पादरी वर्ग ने सुसज्जित किया है, और ये सभी विचार इफिसियों के अध्याय 12 को लड़ने के लिए एक अच्छी जगह बनाते हैं। पाठ क्या कहता है? जब आध्यात्मिक उपहारों की बात आती है, जैसा कि हम कुरिन्थियों में जानते हैं, उदाहरण के लिए, उपहार भेदभावपूर्ण

नहीं हैं। प्रत्येक को उपहार दिया जाता है, लेकिन रोमियों के अध्याय 12 और इफिसियों 4 में, हमें यह भी बताया गया है कि उन्हें उनके उपहार या अनुग्रह को माप के अनुसार दिया जाता है।

दूसरे शब्दों में, योग्यताएँ लाई जाती हैं। हम कौन हैं, क्योंकि भगवान जानता है कि हम क्या कर सकते हैं, यहाँ स्थान दिया गया है। यह बहुत संभव है कि पाठ का उद्देश्य यह बताना है कि जिन लोगों को ये उपहार दिए गए हैं, वे सुसज्जित हों, लेकिन यह कैसे किया जाता है, इसका मतलब यह नहीं है कि कोई शक्ति संरचना स्थापित की जाए।

लेकिन यह दिखाने के लिए कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कैसे करते हैं। इसलिए, सत्ता संरचना को इसमें शामिल करना बहुत ज़्यादा हो सकता है क्योंकि जो लोग सुसज्जित हो रहे हैं उनमें से कुछ लोग कल शिक्षक बनने की अपनी प्रतिभा भी खोज लेंगे, और अन्य। और इसलिए, सत्ता संरचना का यह द्वंद्व उस संबंध में समस्याग्रस्त हो सकता है।

मुझे इस विषय पर एक सहकर्मी ने जो कहा वह पसंद आया, और फ्रैंक ने इसे इस तरह से कहा। स्वर्गारोहित और विजयी मसीह ने प्रत्येक विश्वासी को अनुग्रह का एक उचित माप दिया है। जिन लोगों को उसने उपहार दिया है, उनमें से, पॉल ने पाँच समूहों को सूचीबद्ध किया है जो विशेष रूप से अन्य विश्वासियों को सेवकाई के कार्य के लिए तैयार करने के लिए सुसज्जित हैं।

प्रेरित, भविष्यद्वक्ता, सुसमाचार प्रचारक, पादरी और शिक्षक। वचन की सेवकाई में प्रतिभाशाली लोग और जिन्हें वे सेवकाई के लिए सुसज्जित करते हैं, वे मसीह के शरीर का निर्माण करने के लिए एक साथ काम करते हैं। और इसका अंतिम परिणाम यह है।

वे ऐसा तब तक करते हैं, जैसा कि पॉल ने कहा, हम सभी एकता के विषय को फिर से प्राप्त करते हैं और देखते हैं। हम सभी विश्वास और ईश्वर के पुत्र के ज्ञान की एकता प्राप्त करते हैं। आप शायद पूछ रहे होंगे कि मैंने यह सब क्यों नहीं देखा है जबकि विश्वास और ज्ञान का आवर्ती विषय अब तक अप्रभावी है।

क्योंकि पॉल के लिए, विश्वास और ज्ञान उस एकता को बरकरार रखने के अभिन्न अंग हैं। वह इसके लिए प्रार्थना करता है; वह इसके बारे में बात करता है, वह उन्हें प्रोत्साहित करता है, और वह स्पष्ट करता है कि चर्च को ऐसा ही होना चाहिए। ऐसे सदस्य जिनके पास इतना ज्ञान है कि वे एकता की भावना में विश्वास के समुदाय में कार्य करने के लिए अपनी भूमिका निभा सकें।

जब वे ऐसा करते हैं, तो लक्ष्य यह होता है कि ये प्रतिभाशाली लोग संतों को सुसज्जित करें ताकि वे परिपक्व बन सकें। यह शब्द उन शब्दों में से एक है जिसका उच्चारण मुझे दिलचस्प लगता है। मुझे लगता है कि मेरा उच्चारण अजीब है, और मैंने पाया है कि मेरे कुछ अमेरिकी दोस्त परिपक्व कहते हैं और कुछ परिपक्व कहते हैं, और मुझे नहीं पता कि इसका उच्चारण कैसे किया जाना चाहिए।

इसलिए, मैं परिपक्व कहता हूँ। मेरा झुकाव ब्रिटिश लोगों की ओर है, जो परिपक्व भी कहेंगे, इसलिए मैं परिपक्व कहूँगा। परिपक्व होने के लिए, मर्दानगी का मतलब है जीवन के बारे में कुछ बुनियादी ज्ञान और अनुभव होना ताकि आप भोले या कमज़ोर न हों।

आप आसानी से बहक नहीं सकते क्योंकि परिपक्वता की यह भावना अनुभव के साथ आती है और इसने व्यक्ति को यह जानने में सक्षम बनाया है कि वे वास्तव में किसके लिए खड़े हैं और कभी-कभी इसे ज्ञान में स्पष्टता के साथ व्यक्त करने में भी सक्षम हैं। परिपक्व पुरुषत्व और मसीह की पूर्णता के कद के माप तक। मसीह में होने की पूर्णता तक।

मसीह के पूरे कद की पूर्णता का अर्थ है कि इसमें मसीह के शरीर के कार्य करने के तरीके के व्यक्तित्व को दर्शाने में कुछ भी कमी है। और मसीह के उस शरीर में, मसीह के शरीर के कद की पूर्णता के बारे में सोचना मुझे पहले कुरिन्थियों 12 की याद दिलाता है, जहाँ पौलुस उपहार और इस तथ्य के बारे में बात करता है कि हम सभी को मसीह के शरीर को एक साथ बनाने में मदद करने के लिए विश्वासियों के रूप में ये सभी उपहार दिए गए हैं। शरीर की कल्पना का उपयोग करते हुए, वह कहता है कि क्या होगा यदि शरीर का एक हिस्सा कहता है कि उसे दूसरे की कोई ज़रूरत नहीं है, और फिर भी शरीर के अलग-अलग हिस्से हैं, जो धर्मशास्त्रियों द्वारा विविधता में एकता कहे जाने वाले तत्व को उजागर करता है।

यद्यपि हमारे पास विविध उपहार हैं, लेकिन जो लोग उपहार प्राप्त हैं, वे चर्च को सुसज्जित कर रहे हैं, और चर्च में, ऐसे लोग होंगे जिनके पास ईश्वर द्वारा दी गई योग्यता या क्षमता के अनुसार अलग-अलग योग्यताएँ होंगी और इसलिए हम सभी एक साथ मिलकर चर्च का निर्माण करने के लिए काम कर सकते हैं और यही वह लक्ष्य है जो पॉल की यहाँ इच्छा है कि यदि उपहार प्राप्त लोग संतों को सुसज्जित करने के लिए अपना काम कर रहे हैं, तो हम सभी उस कद को प्राप्त कर सकते हैं, जो विश्वास के समुदाय में मसीह की पूर्णता को दर्शाता है। लक्ष्य का दूसरा भाग यह है कि हम अब बच्चे नहीं रहेंगे। वह परिपक्वता के साथ एक तीव्र विरोधाभास करता है और कहता है कि अब वह आशा करता है कि चर्च ऐसा नहीं होगा, अब वह बच्चों की तरह नहीं होगा जो हर सिद्धांत की हवा से इधर- उधर उछाले जाते हैं, मानव चालाकी से छलपूर्ण योजनाओं में चालाकी से। वह आशा करता है कि चर्च इस हद तक परिपक्व हो जाएगा कि वे बच्चों की तरह कमजोर नहीं होंगे और वे अटलांटिक सागर की लहरों की तरह उछाले जाने पर स्थिर नहीं होंगे।

मैं अटलांटिक के उस हिस्से में पला-बढ़ा हूँ जो लहरों के काम करने के तरीके के मामले में बहुत भयानक है। उनके लक्ष्य का दूसरा और तीसरा हिस्सा यह है कि वे हर तरह से उनमें विकसित हो सकें, जो मुखिया हैं, मसीह। मसीह मुखिया हैं।

यह वह है जिससे पूरा शरीर जुड़ा हुआ है। उनकी आशा है कि जैसे-जैसे उपहार प्राप्त लोग संतों को सुसज्जित कर रहे हैं, वैसे-वैसे वे सभी मसीह यीशु में हर उस जोड़ से जुड़ेंगे और एक साथ बंधे रहेंगे जिससे सभी सुसज्जित हैं। जब प्रत्येक आत्मा ठीक से काम करती है।

दूसरे शब्दों में, अगर कोई हाथ, सिर, पैर है, तो हर कोई मसीह के शरीर को बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहा है। और जैसे-जैसे यह बढ़ता है और खुद को बनाता है, यह सब वह प्रेम से करता है। एकजुट होकर हम निर्माण करते हैं।

इफिसुस और उसके व्यापक क्षेत्र में चर्च को चेतावनी देते हुए, पॉल ने उनसे आग्रह किया कि वे समझें कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं और एकता की भावना को प्रबल होने की आवश्यकता

है। उन्होंने सामान्य चेतावनी के साथ शुरुआत की और आत्मा की एकता के लिए उत्सुकता से काम करने की आवश्यकता को स्थापित किया जो चर्च की स्थिति माना जाता है, उस वचन को बनाए रखने और रखने के लिए। वह आगे कहते हैं कि उनके पास एक यूनानी, यहूदी या रोमन के साथ अधिक चीजें समान हैं।

उनमें सात समानताएँ हैं, और उन सभी का परिचय एक शब्द पर ज़ोर देकर किया गया है ताकि एकता को उजागर किया जा सके। और फिर वह आगे कहता है, हाँ, अब जब आप यह जानते हैं, तो मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि मसीह, विजयी मसीह जिसने बुरी शक्तियों पर विजय प्राप्त की है और जिसके अधीन सभी शक्तियाँ हैं, उसने अपने लोगों को एक महान उपहार दिया है। उसने संतों को सुसज्जित करने के लिए कुछ प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, सुसमाचार प्रचारकों, पादरी और शिक्षकों को दिया है ताकि वह एकता जिसका उसने बिलकुल शुरुआत में उल्लेख किया था, अच्छी तरह से काम करे।

लेकिन जिस तरह से वह भाषा को पकड़ता है, वह वास्तव में हमें याद दिलाता है कि प्रेम की वह भावना, जिस पर उसने तीसरा अध्याय समाप्त किया है, सामुदायिक जीवन के हर पहलू में व्याप्त होने की उम्मीद है। पॉल का तर्क यह है। चर्च को एक होने के लिए बनाया गया है।

हर व्यक्ति की अपनी भूमिका होती है। कोई भी इससे अछूता नहीं है। जिनके पास विशिष्ट प्रतिभा होती है, उनकी जिम्मेदारी अधिक होती है।

हम सभी को मिलकर उस एकता को बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। और साथ मिलकर हम मसीह के शरीर को वैसा बनाएंगे जैसा कि उसका उद्देश्य है। मुझे उम्मीद है कि व्यक्तिगत स्तर पर आप अपने चर्च और अपने जीवन में इफिसियों के दर्शन को अपना रहे होंगे।

जिस एकता की भावना के बारे में वह बात करता है, वह कुछ ऐसा हो जिसे आप उस शक्ति और अनुग्रह के साथ आगे बढ़ाना चाहेंगे जो उसने आपको दिया है। और आप अपनी स्थानीय मण्डली में इसे वास्तविकता बनाने की दिशा में काम करना चाहेंगे। इस अध्ययन में हमारे साथ शामिल होने के लिए ईश्वर आपको आशीर्वाद दे।

मैं आपके साथ इफिसियों पर और अधिक अध्ययन करने की आशा करता हूँ। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा जेल पत्रों पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह सत्र 26 है, युनाइटेड वी बिल्ड, इफिसियन 4:1-16।